पाठ्यक्रम की परीक्षा योजना
प्रथम सेमेस्टर सत्र 2019–20

विषय – चित्रण एवं चित्रकला

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अधिकतम अंक		न्यूनतम उत्तीर्णांक	
		सैध्दांतिक	सी.सी.ई	सैध्दान्तिक	सी.सी.ई
प्रथम	"भारतीय मूर्तिकला व स्थापत्य कला" (मातृका मूर्तियों की सभ्यता) (Indian Sculpture and Archrelecture)	85	15	28	05
द्वितीय	प्रायोगिक व्यक्ति चित्रण (पोर्टेट) (Portrait)	100		36	
तृतीय	प्रायोगिक चित्र संयोजन (Composition)	100		36	
चतुर्थ	प्रायोगिक दृश्य चित्रण (Creative Landscape)	100		36	

द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2019–20

प्रथम	यूरोप की चित्रकला (European Painting)	85	15	28	05
द्वितीय	व्यक्ति चित्रण (पोर्टेट) (Portrait)	100		36	
तृतीय	सृजनात्मक संयोजन (Composition)	100		36	
चतुर्थ	सृजनात्मक दृश्य चित्रण (Creative Landscape) अथवा लीनोकट (प्रिन्ट मेंकिंग)	100		36	

K.Bharadwaj
19.06.19

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की परीक्षा योजना

तृतीय सेमेस्टर सत्र 2020–21 के लिए

विषय – चित्रण एवं चित्रकला

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अधिकतम अंक		न्यूनतम उत्तीर्णांक	
		सैध्दांतिक	सी.सी.ई	सैध्दान्तिक	सी.सी.ई
प्रथम	पूर्व की चित्रकला का अध्ययन ''चीन की कला'' study of Eastern Painting(Chinese Painting)	85	15	28	05
द्वितीय	यूरोप की आधुनिक चित्रकला (Modern Painting of Europe)	85	15	28	05
तृतीय	प्रायोगिक ''मानवाकृति चित्रण'' Life Study	100		36	
चतुर्थ	प्रायोगिक''म्यूरल पेन्टिंग'' " Mural Painting"	100		36	

चतुर्थ सेमेस्टर सत्र 2020–21

प्रथम	''कला समीक्षा एवं दर्शन'' ''Philosophy and criticism of Art"	85	15	28	05
द्वितीय	पूर्व की चित्रकला (जापान एवं फारस की चित्रकला) " Eastern Painting" (Japan and Persian Painting)	85	15	28	05
तृतीय	प्रायोगिक ' मानवाकृति चित्रण' (Life Study) अथवा ''पोर्टेट स्कल्पचर''	100		36	
चतुर्थ	''सृजनात्मक म्यूरल पेन्टिंग'' Composition Mural Painting	100		36	
	इन्टर्नशिप	100		36	

KBharadwaj.
19.06.19

एम.ए. एम.कॉम. एम.एस.सी. की सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए योजना निम्नानुसार रहेगी :–

1. प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा। 33 प्रतिशत उत्तीर्णांक होगा।
2. कुल अंको (Aggregate marks) में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होगें अर्थात 160/400 अंक अर्जित करने होगे।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में दो विषयों में ए.टी./के.टी. की पात्रता रहेगी।

सरल कमांक	कक्षा	सैद्धांतिक/प्रायोगिक प्रश्नपत्रों के लिए निर्धारित		न्यूनतम प्राप्तांक	एग्रीगेट प्राप्तांक
		सैद्धांतिक अंक	[illegible] अंक		
1.	M.A., M.Sc., M.Com. M.H.Sc. (सेमेस्टर प्रणाली नियमित)	85	15	28 05	40%
2.	प्रायवेट परीक्षार्थियों के लिए	100	–	33	40%
				Aggregate Marks 160/400	

K.Bharadwaj
19.06.19

(Gyan Prakash)

चित्रण एवं चित्रकला एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
सत्र 2019–20

प्रश्नपत्र + सी.सी.ई.= 85 + 15

प्रश्नपत्र प्रथम
सैध्दान्तिक – **भारतीय मूर्तिकला व स्थापत्यकला**

इकाई प्रथम / Unit I — सिंधुघाटी सभ्यता की कला, मौर्य काल ।
Indus Valley civilization, Mauryan Period.

इकाई द्वितीय / Unit II — सांची, भरहुत, बोधगया, अमरावती, नागार्जुन, कोण्डा ।
Sanchi. Bharhut, BodhGaya, Amravati, Nagarjun Konda.

इकाई तृतीय / Unit III — एलोरा, ऐलीफेप्टा, मथुरा, गान्धार, कुषाण, ।
Ellora, Elephenta, Mathura, Gandhar kushan.

इकाई चतुर्थ / Unit IV — गुप्तकालीन मूर्तिकला, खजुराहो, उडीसा ।
Gupta Period Sculpture, Khajuraho, Oddissa.

इकाई पंचम — दक्षिण भारत की मूर्तिकला, महाबलीपुरम देलवाडा मन्दिर (माउन्ट आबु) आधुनिक मूर्तिकार–देवी प्रसाद राय चौधरी, फणीन्द्रनाथ बोस, वी.पी. करमरकर, रामकिंकर बैज,शंखों चौधरी

प्रश्नपत्र द्वितीय
प्रायोगिक – **पोर्ट्रेट (व्यक्ति चित्रण)**

1/2 की पॉच शीट्स आवक्ष चित्रण (तेल)।
100 पेज की 1 स्केच बुक स्केचिंग की तथा 05 शीट्स शेडिंग ब्लैक एण्ड व्हाइट की परीक्षा के समय प्रस्तुत करना है ।

प्रश्नपत्र तृतीय
प्रायोगिक – **चित्र संयोजन**

पोस्टर रंग की 22 X 30 फुल शीट, कार्टिज पर चार अथवा चार से अधिक मानव आकृतियॉ विषयानुरूप, वनस्पति, पशु,पक्षी आदि से युक्त पृष्ठभूमि की 05 शीट्स तथा 01 शीट समसामयिक चित्रण, पौराणिक चित्रण की तैल रंग और 100 पेज की स्केच बुक तैयार कर प्रस्तुत की जाये ।

प्रश्नपत्र चतुर्थ
प्रयोगिक – **दृश्य चित्रण**

परिप्रेक्ष्य की विभिन्न तकनीक से आउट डोर (बाह्य) स्पाट पर जाकर हैण्डमेड शीट 1/2 जल रंग (Water colour) द्वारा 05 शीट्स तथा 01 स्केच बुक प्रस्तुत करना ।

K.Bharadwaj
19.06.19

नोट :– 1. प्रत्येक सैध्दान्तिक प्रायोगिक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा । न्यूनतम अंक प्रायोगिक में 36 रहेंगे । सैध्दान्तिक में 85 अंक का प्रश्नपत्र, 15 अंकों का सी.सी.ई. होगा ।

2. प्रायोगिक द्वितीय एवम् चतुर्थ प्रश्नपत्र 04 घण्टे प्रतिदिन 02 दिन का होगा । कुल–08 घंटे
प्रायोगिक तृतीय प्रश्नपत्र 04 घण्टे प्रतिदिन 03 दिन का होगा कुल – 12 घंटे ।

3. प्रायोगिक परीक्षा में प्रस्तुत किये गये सेमस्टर के कार्य (शीट्स) से किसी भी 01–2 को विभाग में डिस्प्ले के लिए छात्रा/छात्र नियमित/स्वाध्यायी से लेने का पूर्ण अधिकार विभाग का रहेगा ।

4. स्केच बुक और सेमेस्टर का कार्य प्रस्तुत न किये जाने अथवा महाविद्यालय में न तैयार किये जाने पर प्रायोगिक कार्य के अंकों की गणना में 15 अंकों का पूर्णांक से कम किये जायेंगे ।

5. नियमित छात्राओं के लिए सी.सी.ई. के समय 03 प्रदर्शनियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक है ।

6. स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं के लिए सेमेस्टर के अन्त में कलात्मक शैक्षणिक स्थानों के भ्रमण हेतु स्ववित्त से ले जाया जाता है, जिससे ऐतिहासिक, कलात्मक स्थानों और प्रदर्शनियों, संग्रहालयों से प्रेक्टीकल ज्ञान हो सके । चार सेमेस्टर के स्नातकोत्तर कोर्स में 01 बार शैक्षणिक भ्रमण पर जाना अनिवार्य है 02 वर्ष की अवधि में एक बार अनिवार्य रूप से जाना होगा ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

मीनाक्षी कासलीवाल	–	भारतीय मूर्तिशिल्प एवं स्थापत्य कला
डॉ. रीता प्रताप	–	भारतीय मूर्तिकला का इतिहास
ममता चतुर्वेदी	–	भारतीय मूर्तिशिल्प
Stella Kramrish	–	Indian Sculpture
Sandhya Ketkar	–	The history of Indian Art
बी.पी.कम्बोज	–	यूरोप की चित्रकला(प्राचीन एवं अर्वाचीन)
जी.के.अग्रवाल	–	आधुनिक यूरोपिय चित्रकला ।

KBharadwaj
19.06.19

चित्रण एवं चित्रकला एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
सत्र 2019–20

प्रश्नपत्र + सी.सी.ई.= 85 + 15

प्रश्नपत्र प्रथम

सैध्दान्तिक– यूरोप की चित्रकला " European Painting"

इकाई प्रथम	प्रागैतिहासिक चित्रकला, मेसोपोटामिया की कला, मिश्र की कला Pre-historic Painting of Europe, Mesopotamia art, Egyption art.
इकाई द्वितीय	शास्त्रीय कला (यूनान से रोम तक) Classical art (Greek to Rome)
इकाई तृतीय	मध्यकाल पूर्व ईसाई कला, बाइजेण्टाइन कला, रोमनस्क Medieval Early Christion art, Byzentine art, Romansque.
इकाई चतुर्थ	गोथिक कला पुनरूत्थान काल, चरम पुनरूत्थान, बरोक कला Gothic art, Renaissance Period, High Renaissance, Baroque art.
इकाई पंचम	रोकोको, ब्रिटिश दृश्य चित्रण, रोमान्सवाद, रीतिवाद Rococo art, British Landscape Painting Romanticism, Mannerism.

अनुशंसित पुस्तकें :–

जी.के. अग्रवाल – यूरोप की चित्रकला

बी.पी.काम्बोज – यूरोप की चित्रकला (प्राचीन एवं अर्वाचीन)

शचीरानी गुर्टु – विश्व की चित्रकला

र.वि.साखलकर – यूरोपीय चित्रकला का इतिहास

A History of European art – William Kloss

द्वितीय प्रश्नपत्र

प्रायोगिक – पोर्ट्रेट (व्यक्ति चित्रण)

1/2 की पॉच शीट्स आवक्ष चित्रण ।

किसी भी तकनीक जैसे :– चारकोल मिक्स मिडियम, तैल, जल रंग, पोस्टर रंग, एकेलिक रंग, कोलाज आदि । 100 पेज का 01 स्केच बुक स्केचिंग की तथा (05) शीट्स हेड एनॉटॉमी की पेन्सिल स्केच ।

KBharadwaj
19.06.19

तृतीय प्रश्नपत्र

प्रायोगिक – ''सृजनात्मक संयोजन''

22 X 30 फुल शीट् कार्टिज शीट, हैण्डमेड शीट, रंगीन शीट, पर कोलाज, नाइफ, स्ट्रोक , रियलिस्टिक, ड्रापिक आदि विभिन्न तकनीकों के द्वारा रंग संयोजन करके चित्र को सृजित करना, जिनके विषय समसामयिक रहेंगे, तैयार कर 05 शीट प्रस्तुत करना । 100 पेज की 01 स्केच बुक प्रस्तुत करना ।

चतुर्थ प्रश्नपत्र

प्रायोगिक – ''सृजनात्मक दृश्य चित्रण''

1½ X 2 के एम.डी. एफ. बोर्ड पर 03 बेकार (Wastage) वस्तुओं द्वारा लैण्ड स्केप तैयार करना और एक्रेलिक या तैल रंग का प्रयोग करना तथा 01 स्केच बुक प्रस्तुत करना

नोटः– एम.ए. प्रथम सेमेस्टर में दिए 06 बिन्दुओं का अनुसरण द्वितीय सेमेस्टर में भी अनिवार्यतः लागू किया जायेगा ।

अथवा

'' सृजनात्मक दृश्य चित्रण'' प्रश्नपत्र के साथ अथवा Optional में चतुर्थ प्रश्नपत्र '' लीनोकट'' का रहेगा ।

प्रयोगात्मक – लीनोकट 'प्रिन्ट मेकिंग'

समसामयिक विषयों पर आधारित, पर्यावरणीय वनस्पति, फूल पत्ती, रेखांकन द्वारा कम से कम 03 रंगों द्वारा (प्रिंटिंग इंक) लीनोकट की सहायता से A-4 साइज की पांच प्रिन्ट तैयार करना । परीक्षा में स्केच बुक के साथ 5 प्रिन्ट शीट भी प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा । प्रायोगिक परीक्षा का समय निम्नानुसार रहेगा ।

द्वितीय प्रश्नपत्र – पोर्टेट 04 घंटे प्रतिदिन 02 दिन 08 घंटे कुल

तृतीय प्रश्नपत्र – सृजनात्मक संयोजन – 04 घंटे प्रतिदिन 03 दिन 12 घंटे कुल

चतुर्थ प्रश्नपत्र – सृजनात्मक दृश्य चित्रण – लीनोकट – प्रिन्ट मेकिंग 04 घंटे प्रतिदिन 02 दिन 08 घंटे कुल ।

K.Bharadwaj
19.06.19

चित्रण एवं चित्रकला एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
सत्र् 2020–21

प्रश्नपत्र + सी.सी.ई.= 85 + 15

प्रश्नपत्र प्रथम
सैध्दान्तिक – पूर्व की चित्रकला का अध्ययन
चीन की कला (China Painting)

इकाई प्रथम :– चीनी चित्रकला का ऐतिहासिक परिचय ।
चीनी कला में दार्शनिक प्रभाव, चीन में प्रचलित विविध कला रूप, चीनी चित्रकला और बौध्दकला।
Historical introduction of Chinese painting, Philosophical effect in Chinese Painting Diverse art forms popular in China. Chiense Painting and Buddha Art.

इकाई द्वितीय :– चीनी चित्रकला के षडंग, शांग काल की कला ।
Six Limbs in China Painting, Shang Period art.

इकाई तृतीय :– चाऊ राजवंश काल, चिन राजवंश काल ।
Chau Dynesty Period, Chin Dynesty Period.

इकाई चतुर्थ :– ह्वान राजवंश काल, तीन राजवंश काल ।
Han Dynesty Period, Three Dynesty Period.

इकाई पंचम :– छह राजवंश काल, सुई राजवंश, तांग राजवंश काल
Six dynesty Period, sui Dynesty Period, Tang Dynesty Period.

अनुशंसित पुस्तकें :– जी.के. अग्रवाल– ''चीन की चित्रकला''
डॉ. रीता प्रताप – ''सुदूरपूर्व की कला
Zhang Anzhi _ A History of Chinese Painting

प्रश्नपत्र द्वितीय
सैध्दान्तिक – ''यूरोप की आधुनिक चित्रकला ''
"Modern Painting of Europe"

इकाई प्रथम :– यथार्थवाद,प्रभाववाद (नवप्रभाववाद, उत्तरप्रभाव वाद और कलाकार) ।
Realism, Impressionism (Neo-Impressionism, Post impressionism and artists)

KBharadwaj
19.06.19

इकाई द्वितीय :– धनवाद, दादावाद, जंगलवाद और कलाकार ।
Cubism, Dadism, Fauvism and artists.

इकाई तृतीय :– अतियथार्थवाद, अभिव्यंजनावाद और कलाकार ।
Surrealism, Expressionism and artists.

इकाई चतुर्थ :– भविष्यवाद, अमूर्तकला एवं कलाकार ।
Futurism, Abstract art and artists.

इकाई पंचम :– ओप पोप आर्ट, अतिसूक्ष्मवाद, संबोधवाद (प्रत्ययवाद), अमूर्त अभिव्यंजनवाद इंसटॉलेशन ।
OP and POP art, minimalism and can ceptualism, Abstract Expressionism, Installation.

प्रश्नपत्र तृतीय
प्रायोगिक – मानवाकृति चित्रण (Life study)

फुल शीट–आइल शीट 3 X 2
स्त्री और पुरूष के जीवित रूप (Life -model) का सवस्त्र एवं विवस्त्र विभिन्न मुद्राओं में , विभिन्न कोणों से जल पोस्टर या तेल–रंग पोस्टर रंग एवं एक्रेलिक रंगों द्वारा शरीर रचना अनुपात, रंगों के छाया प्रकाश के पुंजों का क्रियात्मक अध्ययन । 05 शीट तैयार करना । 01 स्केच बुक प्रस्तुत करना ।

चतुर्थ प्रश्नपत्र
प्रायोगिक – '' म्यूरल पेटिंग'' Mural Painting

पूर्णांक 100

म्यूरल पेन्टिग :– ऐतिहासिक, पौराणिक अथवा सामाजिक जीवन से सम्बन्धित विषयों पर यथार्थवादी पध्दति, अलंकारिक पध्दति, आधुनिक शैली में तैल रंग, ऐक्रेलिक रंगो द्वारा 3 X 2 के कैनवास पर म्यूरल पेटिंग तैयार करना । संयोजन–विवस्त्र और सवस्त्र स्त्री–पुरूषों के जीवन–अध्ययन और उनकी मुद्राओं के किया–कलापों का जीवित प्रदर्शन (Life -model) की सहायता से अभ्यास किया जावें ।

पार्श्व भूमि के लिये दृश्य–चित्रण (Enviorn –mental Study) और स्त्री–पुरूष की विभिन्न मुद्राओं के लिये कक्षा से बाहर स्केच का अभ्यास की 100 पेज की स्केच बुक प्रस्तुत करना । म्यूरल पेटिंग के 03 कैनवास प्रस्तुत करना ।

K Bharadwaj
19.06.19

नोटः— एम.ए. प्रथम सेमेस्टर में दिए 06 बिन्दुओं का अनुसरण तृतीय सेमेस्टर में भी अनिवार्यतः लागू किया जायेगा ।

तृतीय प्रश्नपत्र — प्रायोगिक — मानवाकृति चित्रण — 4 घंटे प्रतिदिन 03 दिन कुल 12 घंटे का रहेगा ।

चतुर्थ प्रश्नपत्र — प्रायोगिक 'म्यूरल पेन्टिग'— 4 घंटे प्रतिदिन 04 दिन कुल 16 घंटे का रहेगा ।

चित्रण एवं चित्रकला एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र 2020--21

प्रश्नपत्र + सी.सी.ई.= 85 + 15

प्रश्नपत्र प्रथम

सैध्दान्तिक : कला समीक्षा एवं दर्शन

" Philosophy and criticism of art"

इकाई प्रथम — कला एवं कला की परिभाषाएं, भारतीय एवं यूरोपीय मत ।
Art and definitions of art, Indian and Western views.

इकाई द्वितीय — लोककला, कला और धर्म , कला और समाज।
Folk art, Art and religion, Art and Society.

इकाई तृतीय — कला और कल्पना, कला और अभिव्यक्ति, कला और अर्न्तज्ञान ।
Art and imagination, Art and expression, Art and Intution.

इकाई चतुर्थ — सौन्दर्य । भारतीय एवं यूरोपीय मत ।
Aesthetic . Indian and Western Views.

इकाई पंचम — रस सिध्दान्त (भरतमुनि), आनन्द वर्धन ।
Rasa siddhant (Bharatmuni), Aanand vardhan.

अनुशंसित पुस्तकें :—

रामचन्द्र शुक्ल	:— कला के दर्शन ।
जी.के.अग्रवाल	:— कला समीक्षा ।
चिरंजीलाल झा	:— कला के दार्शनिक तत्व ।
रणवीर सक्सेना	:— कला, सौन्दर्य और जीवन ।
डॉ. सरन सक्सेना एवं सुधा सरन	:— कला सिध्दान्त और परम्परा ।

K Bharadwaj
19.06.19

द्वितीय प्रश्नपत्र

सैध्दान्तिक – पूर्व की चित्रकला (जापान एवं फारस की चित्रकला)

Eastern Painting (Japan and Persian Painting)

ईकाई प्रथम – जापानी चित्रकला का ऐतिहासिक विकास । आसुका काल
Historical Development of Japanese painting, Aasuka Period.

इकाई द्वितीय – नारा काल,हियान काल ।
Nara Period, Hiyan period.

इकाई तृतीय – कामाकुराकाल, मोसोमाची या आशिकागा काल ।
Kamakura Period, Mosomaachi or Aashikaga Period.

इकाई चतुर्थ – फारस की कला की ऐतिहासिक एवं कलात्मक पृष्ठभूमि, फारस की कलात्मक उपलब्धियॉ ।
Historical and artistic Background of Persian art. Artistic Achievements of Persian art.

इकाई पंचम – मंगोल काल की कला, तैमूर काल की कला ।
Mangolian art, Taimoor time Period art.

अनुशंसित पुस्तकें :–

जी.के अग्रवाल – चीन की चित्रकला ।
जी.के अग्रवाल – जापान की चित्रकला ।
जी.के अग्रवाल – ईरानी चित्रकला ।
ममता चतुर्वेदी – फारस की चित्रकला ।
डॉ. रीता प्रताप – सुदुरपूर्व की कला (चीन,जापान, फारस)

तृतीय प्रश्न–पत्र

प्रायोगिक –"<u>मानवाकृति चित्रण" (Life study)</u>

स्त्री, पुरूष, बच्चे के जीवित रूप (Life model) का सवस्त्र और विवस्त्र विभिन्न मुद्राओं में, विभिन्न कोणों से तैल रंग, जल–रंग, पोस्टर रंग एवं एकेलिक रंगों द्वारा शरीर रचना, अनुपात रंगों के छाया–प्रकाश के पुंजो का विभिन्न तकनीकों के द्वारा अध्ययन करके फुल शीट 3 X 2 साइज की 05 शीट प्रस्तुत करना । स्केच बुक प्रस्तुत करना ।

अथवा

प्रायोगिक – ''पोर्टेट स्कल्पचर''

स्त्री, पुरूष, बच्चे के जीवित रूप (Life model) का सवस्त्र और विवस्त्र विभिन्न मुद्राओं में, विभिन्न कोणों से शरीर रचना, अनुपात के द्वारा 05 मूर्तियां क्ले से 2 फीट तक अधिकतम प्रस्तुत करना तथा 100 पेज की स्केच बुक प्रस्तुत करना ।

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
प्रायोगिक – ''सृजनात्मक म्यूरल पेन्टिंग'' ।

ऐतिहासिक, पौराणिक, सामाजिक, समसामयिक जीवन तथा पर्यावरणीय सम्बन्धी तैल अथवा एक्रेलिक रंगों द्वारा यथार्थवादी, अलंकारिक अथवा आधुनिक चित्रकला शैली में सृजनात्मक म्यूरल 03 , 3 X 2 के एम.डी. एफ बोर्ड पर पेपर मेशी, क्ले (मोल्डेड), फाइबर, एम.सील, डेन्टा पाउडर, या सिरेमिक पाउडर द्वारा तैयार करना तथा 01 3 X 2 का कैनवास जिस पर भारतीय या यूरोपियन कलाकार की पेन्टींग की अनुकृति तैल एक्रेलिक रंग द्वारा अध्ययन कर प्रस्तुत करना ।

संयोजन विवसत्र स्त्री पुरूषों के जीवन अध्ययन और उनकी मुद्राओं के किया कलों का जीवित प्रदर्शन (Lifemodal) की सहायता से अभ्यास किया जाए । आउट डोर स्केचिंग के लिए प्रतिदिन 01 घंटा सप्ताह में तीन बार बाहर अध्ययन किया जाए यह कार्य कक्षा से बाहर का कार्य होगा । इस प्रकार की 100 पेज की स्केच बुक प्रस्तुत की जाये ।

इन्टर्नशिप :– एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में प्रोजेक्ट/ इन्टर्नशिप अधिकतम 100 अंकों न्यूनतम 36 अंकों की रहेगी । जिसके लिए छात्रा को किसी कलाकार, मूर्तिकार, संस्थान,प्रिटिंग, प्रेस, फोटोग्राफर, प्राइवेट कम्पनी, सरकारी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय में जाकर 03 महीने में पूर्ण करना होगी ।
नोटः– एम.ए. प्रथम सेमेस्टर में दिए 06 बिन्दुओं के अनुसरण के साथ–साथ 01 प्रदर्शनी में छात्रा को अपनी पेन्टींग की प्रदर्शनी तीसरे अथवा चौथे सेमेस्टर में लगाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है ।

तृतीय प्रश्नपत्र – प्रायोगिक – ''मानवाकृति चित्रण'' पोर्टेट स्कल्पचर – 4 घंटे प्रतिदिन 03 दिन कुल 12 घंटे का रहेगा ।

चतुर्थ प्रश्नपत्र–प्रायोगिक ''सृजनात्मक म्यूरल पेन्टिग''– 4 घंटे प्रतिदिन 04 दिन कुल 16 घंटे का रहेगा ।

नोटः– एम.ए चतुर्थ सेमेस्टर में प्रोजेक्ट/इन्टर्नशिप लागू होने पर पूर्णांक 100 अंको की होगी ।

KBharadwaj
19.06.19